Code No.: MR-06

Total No. of Questions : 5 | Total No. of Printed Pages : 2

स्नातकपरीक्षाः– २०१५

बि.ए. – विद्वन्मध्यमा – तृतीयवर्षः

शास्त्रम् – सामान्यपत्रिका

भागः – २, पत्रिका – ६

विषयः – सर्वदर्शनसंग्रहः, मनुस्मृतिः, शिवतत्वप्रकाशम्

दिनाङ्कः – 8-4-2015 | गरिष्ठाङ्काः – १००

समयः – 10.00 A.M. to 1.00 P.M. | Max. Marks – 100

I. एके वाक्येनोत्तरयत। **10 × 1 = 10**

१. चार्वाकमते पुरुषार्थो कौ?

२. मोक्षः कः चार्वाकमते?

३. 'त्रयो वेदस्य कर्तारः' के ते त्रयः?

४. अर्हत् स्वरूपं किम्?

५. जैनदर्शनानुसारं ज्ञानं कतिविधम्?

६. आर्हतमते जीवाः कतिविधाः?

७. आस्रवनिरोधः कः?

८. पिता रक्षति कौमारे यौवने कः रक्षति?

९. प्रकृति–विकृतयः कति?

१०. सांख्यदर्शने तत्त्वानि कति?

II. संक्षेपेण उत्तरं लिखत। **5 × 6 = 30**

१. सप्तभङ्गीनयः नाम कः? विवृणुत।

२. मूलप्रकृतौ प्रमाणम् किम्?

३. पाशस्वरूपं विवेचयत।

४. स्त्रीधनरक्षणोपायाः के?

५. दायविभागः कथमिति संक्षेपेण लिखत।

-अनुवर्तते

Code No.: MR-06

III. विस्तरेण उत्तरं लिखत (द्वयोः) **2 × 15 = 30**

१. आक्षेपनिराकरणपुरस्सरं जैनमतानुसारं सर्वज्ञत्वं साधयत।

२. शैवदर्शनानुसारं 'पशु' पदार्थं विवृणुत।

३. सत्कार्यवादं सांख्योक्तदिशा विवृणुत।

IV. लघुप्रबन्धमारचयत (एक पृष्ठात्कम्) द्वयोः। **2 × 10 = 20**

१. चार्वाकमतसंक्षेपः।

२. मनुस्मृतिः।

३. पुरुषः पुष्करपलशवन्निर्लेपः।

V. टिप्पणीः आरचयत – द्वयोः। **2 × 5 = 10**

१. रत्नत्रयम्।

२. पुर्यष्टकम्।

३. पुरुषः भोक्तैव केवलम्, न कर्ता।

४. स्त्रीधर्माः।